आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 123 | उज्जैन, गुरूवार 27 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

पत्रकार हैं लोकतंत्र के सच्चे सेनानी-मुख्यमंत्री

पत्रकारों के हित में रखी गई मांगों के निराकरण के लिये कमेटी गठित की जायेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी होते हैं। सरस्वती के साधक होने के साथ ही कड़ी मेहनत से सूचनाओं को आमजनों तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुरैना जिला मुख्यालय पर श्रमजीवी पत्रकार संघ के त्रिवर्षीय दो दिवसीय महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा पत्रकारों के हित में जो मांगें रखी गई हैं, उसके निराकरण के लिये शासन स्तर से एक कमेटी का गठन किया जायेगा। इस कमेटी में श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों को शामिल कर पत्रकारों की समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रमजीवी पत्रकार संघ पत्रकारों के हित में कार्य करने वाला बहुत पुराना संगठन है। संगठन के अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया पत्रकारों के हित में निरंतर कार्य करते रहते हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश भर में श्रमजीवी पत्रकार संघ कार्य कर रहा है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर, विधायक श्री दिनेश गुर्जर, सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर, श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रांताध्यक्ष श्री भदौरिया, श्री आशीष अग्रवाल, पूर्व विधायक श्री बलवीर डण्डौतिया, श्रमजीवी पत्रकार संघ के ग्वालियर-चंबल संभाग के प्रभारी श्री सुरेश शर्मा, कार्यक्रम संयोजक श्री राजकुमार दुबे, जिला अध्यक्ष श्री रामशरण शर्मा एवं प्रदेश भर से आए पत्रकार साथी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र की सबसे जागरूक कौम है। श्रमजीवी पत्रकार संघ मध्यप्रदेश का सबसे पुराना संगठन है। संगठन के अध्यक्ष श्री शलभ भदौरिया के नेतृत्व में प्रदेश भर में पत्रकारों के हित में यह संगठन कार्य कर रहा है।

TMC सांसद ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह को कहा दलाल, भाजपा ने कहा- माफी मांगो

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कैलाश बनर्जी ने मंगलवार को कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर अमीरों के लिए दलाल के रूप में काम करने का आरोप लगाया और बंगाल के लिए लंबित केंद्रीय धनराशि को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। भाजपा ने तुरंत पलटवार किया। कृषि राज्य मंत्री भगीरथ चौधरी ने बंगाल के सांसद से चौहान के खिलाफ अपमानजनक भाषा के लिए माफी की मांग की।

भाजपा पर लगाया भेदभाव का आरोप- संसद के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि मनरेगा और पीएमएवाईजी जैसी योजनाओं के तहत बंगाल के लिए केंद्रीय धनराशि पिछले तीन वर्षों से लंबित है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र राज्य के साथ भेदभाव कर रहा है क्योंकि भाजपा वहां सरकार बनाने में विफल रही है।

बंगाल के सेरामपुर से सांसद बनर्जी ने आरोप लगाया कि शिवराज चौहान अमीरों के लिए दलाल हैं। वह गरीबों के लिए काम नहीं करते और इसी कारण उन्हें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया। उन्होंने कई बार अपने दलाल वाले बयान को दोहराया।

इससे पूर्व मंगलवार को लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान, डीएमके और तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने ग्रामीण रोजगार योजना मनरेगा के लिए कुछ राज्यों को भुगतान में कथित देरी के खिलाफ विरोध किया।

शख्स ने 454 पेड़ों को काटा, अब हर पेड़ के बदले देना होगा 1 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेड़ों की अवैध कटाई एक शख्स को भारी पड़ गई। सुप्रीम कोर्ट ने उस पर काटे गए हर पेड़ के बदले 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। व्यक्ति ने अपनी गलती मान ली है। उसने शीर्ष अदालत से जुर्माना कम करने की मांग की। मगर अदालत ने इसे ठुकरा दिया। इस शख्स ने कुल 454 पेड़ काटे थे। मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना इंसान की हत्या से भी बदतर कृत्य है।

दोबारा पेड़ तैयार करने में 100 साल लगेंगे- न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने ताज संरक्षित क्षेत्र में 454 पेड़ों को काटने वाले शख्स की याचिका को खारिज कर दिया और मामले में सख्त टिप्पणी की। पीठ ने कहा कि पर्यावरण के मामले में कोई दया नहीं होनी चाहिए। बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना किसी इंसान की हत्या से भी बदतर है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बिना अनुमति के काटे गए 454 पेड़ों से बने हरित क्षेत्र को दोबारा बनाने में कम से कम 100 साल लगेंगे।

महादेव बेटिंग ऐप मामले में सीबीआई का बड़ा एक्शन, दिल्ली से लेकर एमपी-छत्तीसगढ़ में 60 ठिकानों पर रेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने बुधवार को महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े एक मामले में छत्तीसगढ़, भोपाल, कोलकाता और दिल्ली में 60 स्थानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में राजनेताओं, सीनियर नौकरशाहों, पुलिस अधिकारियों, महादेव बुक के प्रमुख अधिकारियों और अन्य निजी व्यक्तियों के ठिकानों पर छानबीन की गई है, जो इस अवैध ऑपरेशन में शामिल होने के शक में थे।

महादेव बुक, एक ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर ने प्रमोट किया है, और ये दोनों इस वक्त दुबई में हैं। CBI के अनुसार, जांच में यह सामने आया है कि इन प्रमोटरों ने अपने अवैध नेटवर्क के संचालन को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकारी कर्मचारियों को भारी रकम सुरक्षा शुल्क के तौर पर दी थी।

महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को नवंबर 2024 में दुबई से गिरफ्तार किया गया था, जब इंटरपोल ने उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। यह नोटिस प्रवर्तन निदेशालय के अनुरोध पर जारी किया गया था।

CBI ने बताया कि इस मामले में जांच के दौरान महत्वपूर्ण डिजिटल और दस्तावेजी साक्ष्य बरामद हुए हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। यह मामला पहले आर्थिक अपराध शाखा रायपुर द्वारा दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में छत्तीसगढ़ सरकार ने मामले की गहन जांच के लिए CBI को सौंप दिया। CBI अब इस मामले में वरिष्ठ सार्वजनिक अधिकारियों और अन्य आरोपी व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही है।

आसमान से दुश्मन पर होगा तगड़ा वार, सेना को मिलेंगे 156 लड़ाकू हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से थलसेना और वायु सेना के लिए 45,000 करोड़ रुपये के 145 हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर खरीदने के सौदे को मंजूरी दे सकता है।

सीमाओं पर ऑपरेशन के लिए इन हेलीकॉप्टरों का होगा उपयोग- सूत्रों ने बताया कि रक्षा मंत्रालय चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर ऑपरेशन के लिए इन हेलीकॉप्टरों को खरीदने के मामले को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। यह देश में रोजगार सृजन और एयरोस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। सूत्रों ने बताया कि एचएएल को पिछले साल जून में 156 हल्के लड़ाकू हेलीकाप्टर के लिए निविदा मिली थी। विचार-विमर्श के बाद यह परियोजना अब अंतिम मंजूरी के लिए तैयार है। 156 हेलीकॉप्टरों में से 90 थलसेना के लिए होंगे, जबकि 66 भारतीय वायु सेना के लिए होंगे। इस संयुक्त खरीद के लिए भारतीय वायुसेना प्रमुख एजेंसी है।

हेलीकॉप्टर को प्रचंड के नाम से भी जाना जाता है - हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर को प्रचंड के नाम से भी जाना जाता है। यह दुनिया का एकमात्र अटैक हेलीकॉप्टर है जो 5,000 मीटर (16,400 फीट) की ऊंचाई पर उतर सकता है और उड़ान भर सकता है। इसकी यही खासियत इसे सियाचिन ग्लेशियर और पूर्वी लद्दाख के अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संचालन के लिए आदर्श बनाता है।

तमिलनाडु में भाषा विवाद के बीच अमित शाह से मिले पलानीस्वामी, भाजपा-अन्नाद्रमुक में गठबंधन की चर्चा तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अन्नाद्रमुक महासचिव और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पादी के पलानीस्वामी ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की। ऐसा कहा जा रहा है कि अन्नाद्रमुक राज्य में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा के साथ दोबारा गठबंधन कर सकती है। यह जानकारी सूत्रों ने दी।

सूत्रों के अनुसार, अन्नाद्रमुक के नेता ने शाह के साथ तमिलनाडु में हिंदी थोपे जाने समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने इस पर अपनी पार्टी के विचारों को साझा किया।

सामाजिक सुरक्षा कवच कमजोर होने के विकसित देशों की धौंस को जल्द बंद करेगा भारत, मोदी सरकार ने बनाया मास्टर प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामाजिक सुरक्षा के वैश्विक मानकों पर भारत के खरा न उतरने की दलील देकर विदेश में नौकरी करने वाले भारतीयों के भविष्य निधि फंड न देने से लेकर मुक्त व्यापार समझौते में सामाजिक सुरक्षा का प्रविधान हटा देने की विकसित देशों की धौंसगिरी अब ज्यादा लंबी नहीं चल पाएगी। भारत का सामाजिक सुरक्षा कवरेज बीते कुछ वर्षों में दोगुनी बढ़त के साथ 48.8 प्रतिशत हो गया है।

इसके बाद केंद्र सरकार ने देशभर में जारी सामाजिक सुरक्षा की तमाम योजनाओं का डाटा अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) के मानकों के अनुरूप एकत्र करने का अभियान शुरू किया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने आइएलओ के साथ मिलकर सामाजिक सुरक्षा के आंकड़े जुटाने के इस अभियान में अब तमाम राज्यों में लागू सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण योजनाओं के डाटा को भी इसमें शामिल करने की पहल शुरू करने का फैसला किया है।

संगठित आंकड़ों के अभाव का फायदा उठे रहे अमेरिका जैसे देश - सरकार का मानना है कि भारत की सामाजिक सुरक्षा का कवरेज वर्तमान में 65 प्रतिशत है लेकिन संगठित आंकड़ों के अभाव में अमेरिका तथा अन्य विकसित देश इसका फायदा उठाने का प्रयास करते हैं। केंद्र सरकार की स्कीमों के अलावा राज्यों में महिलाओं, वृद्धों, विधवाओं को पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। लेकिन राज्यों की ऐसी पहल देश के सामाजिक सुरक्षा कवरेज के आंकड़ों का हिस्सा नहीं है।

इसके मद्देनजर ही श्रम मंत्राल ने आइएलओ के साथ मिलकर एक व्यापक डाटा-पुलिंग-एक्सरसाइज शुरू किया है। इसमें आधार को 34 प्रमुख केंद्रीय योजनाओं जैसे मनरेगा, ईपीएफओ, ईएसआइसी, अटल पेंशन योजना और पीएम-पोषण आदि में लाभार्थियों की पहचान के लिए इस्तेमाल किया गया। कुल 200 करोड़ रिकार्ड का विश्लेषण कर इसके विशिष्ट लाभार्थियों की पहचान की गई। श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि इस अध्ययन के अनुसार भारत की 65 प्रतिशत जनसंख्या कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना के दायरे में है। इनमें से 48.8 प्रतिशत लोगों को नकद लाभ मिल रहे हैं। आइएलओ के मानक आंकड़ों के हिसाब से 2021 के 24.4 प्रतिशत के मुकाबले भारत का सामाजिक सुरक्षा कवच 2024 में 48.8 प्रतिशत हो गया।

अमेरिका में भारत की खुफिया एजेंसी RAW पर बैन लगाने की सिफारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने आरोप लगाया कि भारत में अल्पसंख्यकों के साथ बुरा व्यवहार किया जा रहा। आयोग ने भारत की जासूसी एजेंसी रॉ पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की। अमेरिकी आयोग ने सिख अलगाववादियों के खिलाफ हत्या की साजिश में खुफिया एजेंसी के शामिल होने का कथित आरोप भी लगाया।

भारत को विशेष चिंता वाला देश घोषित करने की भी सिफारिश- आयोग ने भारत को विशेष चिंता वाला देश घोषित% करने की सिफारिश भी की। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन से निपटने की खातिर अमेरिका ने भारत से घनिष्ठ संबंधों को बनाने की कोशिश की। इस वजह से भारत में मानवाधिकार के मामलों को नजरअंदाज किया गया।

सिफारिश को मानना बाध्यकारी नहीं- विशेषज्ञों का मानना है कि इस बात की बहुत कम उम्मीद है कि अमेरिका भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग पर प्रतिबंध लगाएगा। मगर अब सबकी नजरें ट्रंप प्रशासन के फैसले पर टिकीं हैं। दरअसल, आयोग का आदेश मानना सरकार के लिए बाध्यकारी नहीं है। अब देखना यह होगा कि ट्रंप इसे मानते है या नहीं।

पिछले साल भी आरोप लगा चुका अमेरिका- 2023 में अमेरिका और कनाडा ने खालिस्तान समर्थक को निशाना बनाने का आरोप भारत पर लगाया था। अमेरिका ने आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने का आरोप एक पूर्व भारतीय अधिकारी विकास यादव पर लगाया था। कनाडा के पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बयान के बाद भारत के साथ रिश्ते में आई तल्खी अभी तक दूर नहीं हुई है।

घृणित बयानबाजी का लगाया आरोप- मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी आयोग ने कहा कि 2024 में भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति और खराब हो गई, क्योंकि धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमले और भेदभाव बढ़ा। आयोग ने कथित तौर पर आरोप लगाया, हिंदू राष्ट्रवादी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी भारतीय जनता पार्टी ने पिछले साल चुनाव प्रचार के दौरान मुसलमानों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ घृणित बयानबाजी की।

हालांकि, भारत ऐसी रिपोर्ट को पक्षपातपूर्ण बताता है। भारत का कहना है कि मोदी सरकार की हर योजना बिना भेदभाव के चल रही है। हर समुदाय को मदद दी जा रही है। आवास, बिजली और सब्सिडी समेत सभी योजनाओं का लाभ हर वर्ग को मिल रहा है।

भारतवंशी डॉ. जय भट्टाचार्य बने NIH के डायरेक्टर, Covid-19 लॉकडाउन के रहे हैं मुखर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी सीनेट ने मंगलवार को भारतीय मूल के अमेरिकी चिकित्सक और स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य नीति के प्रोफेसर डॉ. जय भट्टाचार्य को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के निदेशक के रूप में मंजूरी दे दी। NIH दुनिया की सबसे बड़ी सरकारी फंडिंग वाली बायोमेडिकल अनुसंधान संस्था है।

डॉ. जय भट्टाचार्य को अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर के अधीन काम करना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नवंबर महीने में स्वास्थ्य अर्थशास्त्री डॉ. जय भट्टाचार्य को देश के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान एवं वित्त पोषण संस्थान एनआईएच का नेतृत्व करने के लिए नामित किया था। हालांकि स्वास्थ्य विभाग में डोनाल्ड ट्रंप की ओर से की गई नियुक्ति को लेकर सवाल उठते रहे हैं।

लॉकडाउन के विरोधी को तौर पर जाने जाते हैं डॉ भट्टाचार्य- डॉ. जय भट्टाचार्य को लेकर कहा जाता है कि वह कोविड-19 के दौरान लॉकडाउन लगाने के खिलाफ मुखर रहे हैं। वहीं अमेरिकी स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर भी वैक्सीन के खिलाफ बोल चुके हैं। जय भट्टाचार्य ग्रेट बैरिंगटन घोषणा के लेखक भी हैं। इसमें अक्टूबर 2020 में प्रस्तावित लॉकडाउन का एक विकल्प भी पेश किया गया है। अमेरिकी सीनेट की वेबसाइट के अनुसार, 119वीं कांग्रेस में रोल कॉल वोट के पहले सत्र के दौरान जय भट्टाचार्य ने 53-47 वोट से जीत हासिल की।

मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, वार प्लान लीक करने पर बोले अमेरिका के NSA; ट्रंप ने कहा- ये मामूली गलती

नई दिल्ली। यमन के हूती विद्रोहियों पर हमले का प्लान कुछ घंटे पहले ही डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट के साथियों ने सोशल मीडिया एप सिग्नल पर गलती से लीक कर दिया था। अब इसकी जिम्मेदारी अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने ले ली है। दरअसल, हुआ ये था कि अमेरिकी अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर एक ग्रुप बनाया। इसमें हूती विद्रोहियों पर हमले का प्लान साझा किया गया। सभी हमले की योजना पर चर्चा करने में जुटे थे। मगर इस ग्रुप में द अटलांटिक पत्रिका के पत्रकार जेफरी गोल्डबर्ग को भी गलती से जोड़ दिया गया था।

गोल्डबर्ग को हमले की जानकारी इसी ग्रुप से मिली। बाद में उन्होंने इसका खुलासा किया तो पूरे अमेरिका में हड़कंप मच गया और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी बड़ी लापरवाही माना गया।

अब अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने इसकी पूरी जिम्मेदारी ली है। फॉक्स न्यूज की होस्ट लॉरा इंग्राहम से माइक वाल्ट्ज ने कहा कि मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। मैंने ही ग्रुप बनाया था। हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि सबकुछ समन्वित तरीके से हो।

कुछ भी कर लो चीन नहीं जाऊंगा, पायलट ने विमान में बैठे यात्रियों के सामने जोड़े हाथ; फ्लाइट ने लिया यू-टर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स से चीन के सबसे बड़े शहर शांघाई जा रहे एक विमान को उड़ान भरने के दो घंटे बाद वापस अमेरिका लौटना पड़ा। इसके पीछे की वजह काफी हैरान कर देने वाली है। दरअसल, विमान के पायलट के पास उसका पासपोर्ट ही नहीं था।

शनिवार, 22 मार्च को यूनाइटेड एयरलाइंस की फ्लाइट 198 ने लॉस एंजिल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। विमान में 257 यात्री और 13 क्रू मेंबर्स सवार थे।

विमान जब प्रशांत महासागर के ऊपर पहुंच चुका था, तभी पायलट को यह एहसास हुआ कि वो अपना पासपोर्ट लाना भूल गया है। बिना पासपोर्ट के चीन में एंट्री संभव नहीं थी, इसलिए विमान को सैन फ्रैंसिस्को मोड़ दिया गया।

विमान के वापस लौटने पर यात्रियों को छह घंटे की देरी झेलनी पड़ी। यूनाइटेड एयरलाइंस ने यात्रियों को खाने के वाउचर और मुआवजे की पेशकश की। हालांकि, इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर एयरलाइंस को लोगों का गुस्सा देखने को मिला।

एक यात्री को कुल 30 डॉलर (करीब 2500 रुपये) के खाने का वाउचर मिला, जिससे उन्होंने एयरपोर्ट के एक जापानी रेस्टोरेंट में खाना खाया।

हमास के खिलाफ सड़कों पर उतरे गाजावासी, गुस्साई भीड़ ने कहा- न युद्ध चाहिए, न हमास

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में हजारों फिलिस्तीनियों ने हमास के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। फिलिस्तीनियों ने गाजा से हमास को खदेड़ना का मन बना लिया है। युद्ध से त्रस्त गाना वासियों ने हमास के विरोध में रैली निकाली। वहीं, लोगों ने हमास को गाजा छोड़ने का अल्टीमेटम भी दे दिया।

हमास के खिलाफ हुंकार भरने वाले हजारों गाजा वासियों ने एक सुर में कहा, न हमें युद्ध चाहिए और न ही हमास। हमें शांति से जीना है। सफेद झंडे लहराते हुए इन लोगों ने शांति की मांग की।

सोशल मीडिया पर इस प्रदर्शन का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि हमास को लोग कह रहे हैं, बाहर निकलो, हमास बाहर निकलो। हम जीना चाहते हैं।

इजरायल-हमास युद्ध पर लगा संघर्ष विराम- बताते चलें कि इजरायल हमास के बीच 467 दिनों तक युद्ध चला 19 जनवरी 2025 को सीजफायर लागू हुआ। इस सीजफायर डील को लेकर इजरायल और हमास के बीच कई दौर की बातचीत कतर की राजधानी दोहा में हुई। बातचीत की मध्यस्थता अमेरिका, मिस्त्र और कतर ने कराई।

7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजरायल पर हमला किया था, जिसमें 1200 से ज्यादा इजरायली नागरिकों की मौत हुई थी। वहीं, कई लोगों को हमास ने बंधक बना लिया था। हमास के हमले के बाद इजरायल ने गाजा में जंग छेड़ दी। इस युद्ध में पचास हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई।

35 साल पहले आए अमेरिका, अब वापस जाना होगा अपने देश... कैलिफोर्निया से डिपोर्ट हुआ कपल; सदमे में परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैलिफोर्निया के एक परिवार के लिए जीवन एक भयानक मोड़ पर आ गया, जब पिछले महीने दो अवैध प्रवासी, जो 35 वर्षों से अमेरिका में रह रहे थे, उनको आंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार भेज दिया गया।

गलेडिस गोंजालेज़ (55) और नेल्सन गोंजालेज़ (59), जो तीन बेटियों के माता-पिता हैं, उनको फरवरी में अमेरिकी आप्रवासन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन द्वारा गिरफ्तार किया गया और 18 मार्च को उन्हें अपने देश वापस भेज दिया गया। उनके परिवार के लिए यह एक गंभीर और चौंकाने वाला झटका था। गोंजालेज़ दंपती को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे अपने नियमित ICE चेक-इन के लिए गए थे। 21 फरवरी को उन्हें हिरासत में लिया गया और लगभग तीन सप्ताह तक रखा गया, जिसके बाद उन्हें उनके गृह देश भेज दिया गया। दंपती ने कैलिफोर्निया में अपनी ज़िंदगी बनाई थी, और इस अचानक बदलाव ने न केवल उनकी ज़िंदगी को पलट दिया, बल्कि उनके परिवार को भी गहरा मानसिक और आर्थिक आघात पहुंचाया।

कानूनी स्थिति और बच्चों का संघर्ष- गोंजालेज़ दंपती की तीनों बेटियां, जो सभी अमेरिकी नागरिक हैं, उन्होंने एक गोफंडमी पेज के माध्यम से इस आघात को साझा किया। उनका कहना था कि उनके माता-पिता ने कभी भी कोई अपराध नहीं किया, और वे हमेशा अपने चेक-इन्स पर सही समय पर गए थे। उन्होंने 1989 में अमेरिका में प्रवेश किया था और 2000 में एक स्वैच्छिक वापसी आदेश प्राप्त किया था।

फ्रांस में आसमान में करतब दिखा रहे थे सेना के फाइटर जेट, तभी हो गया बड़ा हादसा; पायलट ने यूं बचाई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। फ्रांस से एक बड़े विमान हादसे की खबर सामने आई है। पूर्वी फ्रांस के सेंट-डिजियर के हाउते-मार्ने के पास एक ट्रेनिंग के दौरान दो फ्रांसीसी वायु सेना के विमान हवा में टकरा गए, बता दें कि ये विमान फ्रांसीसी वायु सेना अल्फा जेट थे। ये घटना कल की है।

फ्रांस वायुसेना ने इसको लेकर बताया कि जेट में सवार दो पायलट और एक यात्री विमान से बाहर निकलने में सफल रहे और वह पूरी तरह सुरक्षित हैं। कुछ पोस्ट और फ्रांसीसी अधिकारियों के शुरुआती बयानों के मुताबिक इसमें शामिल विमान एलीट पैट्रॉइल डी फ्रांस एरोबैटिक टीम के अल्फा जेट थे, ये जेट टक्कर के समय एक प्रशिक्षण उड़ान भर रहे थे, तभी ये हादसे का शिकार हो गए। इस हादसे को देखने वाले लोग परेशान हैं।

वीडियो फुटेज से भी ये यकीन कर पाना मुश्किल है कि इतनी बड़े हादसे के बाद भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि विमान में गिरने के बाद आग लग गई।

पास की फैक्ट्री में भी लगी आग- मौजूद लोगों ने बताया, विमान के टक्कर लगते ही, दो पैराशूट को खुलते हुए देखा गया, जो दर्शाता है कि पायलट बाहर निकल गए। हालांकि बचाव अभियान जारी रहने के वजह से ज्यादा डिटेल नहीं मिल पाई है। इस हादसे के कारण पास की एक फैक्ट्री में आग लग गई है, जिससे जमीन पर संभावित हताहतों या नुकसान की चिंता बढ़ गई हैं।

आसमान से बरसेगी आग! कितने दिनों तक चलेगी हीटवेव? गर्मी को लेकर आईएमडी का नया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में मौसम का मिजाज बदल चुका है। देश के ज्यादातर राज्यों में पारा धीरे-धीरे चढ़ने लगा है। कई राज्यों में तो तापमान 30 डिग्री पहुंच चुका है। पूरे दिन धूप निकलने के कारण तापमान काफी तेजी से बढ़ा है।

दिल्ली में मंगलवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी के दिनों की संख्या लगभग दोगुनी होने का अनुमान लगाया है।आईएमडी की वैज्ञानिक सोमा सेन रॉय ने कहा, आम तौर पर गर्मियों के मौसम में 5-6 दिनों तक हीटवेव का दौर रहता है, लेकिन इस साल गर्मी के मौसम में पश्चिम और मध्य भारत में सामान्य से थोड़ी अधिक गर्मी पड़ने की आशंका है। इस साल हमें 10 से 12 दिन की उम्मीद है, जो सामान्य से दोगुना है। उन्होंने आगे कहा कि यह एक मौसमी पूर्वानुमान है और इसका मतलब यह नहीं है कि मौसम के सभी दिन सामान्य से अधिक होंगे।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी के दिनों की संख्या लगभग दोगुनी होने का अनुमान लगाया है, इसलिए सामान्य से अधिक गर्मी के लिए तैयार रहें।

लू करेगी परेशान- काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) का दावा है कि इस बार की गर्मियों के दौरान दिल्ली एनसीआर सहित देशभर में लू वाले दिनों की संख्या 15 से 20 प्रतिशत तक का इजाफा हो सकता है।

मौसम विभाग से मिले इनपुट के आधार पर सीईईडब्ल्यू ने एक विश्लेषण जारी कर यह भी कहा कि वर्षा में बहुत ज्यादा अनिश्चितता दिखाई दे रही है, जैसे मानसून में भी देरी हो रही है।

एनकाउंटर में मारा गया चेन स्नेचर, फ्लाइट से दिल्ली जाने की फिराक में था; यूपी से है लिंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन स्नेचिंग के मामले में एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए चेन स्नेचर को बुधवार सुबह चेन्नई के तारामणि रेलवे स्टेशन इलाके के पास पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया, जब वह भागने की कोशिश कर रहा था।

जुलाई 2024 में ए. अरुण के ग्रेटर चेन्नई पुलिस कमिश्नर के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से शहर में यह चौथी मुठभेड़ से संबंधित मौत है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के मूल निवासी 28 वर्षीय चेन स्नेचर जफर गुलाम हुसैन को मंगलवार को उसके साथी सूरज के साथ चेन्नई एयरपोर्ट पर नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस पर आरोपी ने किया था हमला- कथित तौर पर दोनों शहर भर में कई चेन-स्नेचिंग की घटनाओं में शामिल थे। मुठभेड़ तब हुई जब पुलिस चोरी के आभूषण बरामद करने के लिए जाफर को तारामणि इलाके में ले गई। ऑपरेशन के दौरान, उसने कथित तौर पर इंस्पेक्टर बुहारी पर हमला किया और भागने की कोशिश की।

जवाब में, पुलिस ने गोलियां चलाईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

ओम बिरला ने मुझे चुप कराया, स्पीकर पर भड़के राहुल गांधी; कहा- संसद में बोलने नहीं दिया जाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और नेता विपक्ष राहुल गांधी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि वो जब भी सदन में कुछ भी बोलने के लिए खड़े होते हैं तो उनको बोलने नहीं दिया जाता है। उन्होंने ये बात तब कही, जब सदन में राहुल बोलने के लिए खड़े हुए थे और कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था।

राहुल ने क्या आरोप लगाया- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में राहुल गांधी को नियमों का पालन करने की नसीहत दी थी। इस नसीहत पर राहुल गांधी कुछ बोलना चाहते थे इसलिए वो खड़े हुए थे, तभी सदन की कार्यवाही ही स्थगित कर दी गई।

सूत्रों के मुताबिक, सदन के अंदर राहुल गांधी अपनी बात नहीं बोल पाए थे। इसके बाद राहुल ने बाहर आकर मीडिया से बात की और कहा कि उन्हें बोलने नहीं दिया गया।

इससे पहले ओम बिरला ने राहुल गांधी को सदन के आचरण और मर्यादा का पालन करने के लिए कहा था। उन्होंने कहा था कि ऐसी कुछ घटनाएं आई है जो कि सदन के लिहाज से ठीक नहीं थी, लिहाजा सदन की गरिमा का पलन करें।

क्या बोले थे ओम बिरला- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा था, आप सभी से अपेक्षा की जाती है कि आप सदन में सदन की मर्यादा और शालीनता की उच्च मानदंडों को बनाए रखें। सदन में मेरे संज्ञान में ऐसी कई घटना है, यह सदस्य और उनके आचरण, सदन की उच्च परंपरा के अनुरूप नहीं है।

जज के घर पर नकदी मिलने के मामले में FIR की मांग, सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर कैश मिलने का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले को लेकर जज पर FIR की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया है।

बीते दिन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ से वकील मैथ्यूज जे नेदुम्परा ने आग्रह किया कि याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाए क्योंकि यह व्यापक जनहित से संबंधित है।

सीजेआई ने तत्काल सूचीबद्ध करने के लिए मामलों के मौखिक उल्लेख की प्रथा को रोक दिया है। सीजेआई ने कहा, यह काफी है। याचिका पर उसी के अनुसार सुनवाई होगी। वकील ने कहा कि टॉप अदालत ने सराहनीय काम किया है, लेकिन एफआईआर की जरूरत है।

सीजेआई ने कहा, सार्वजनिक बयान न दें- इस मामले में एक महिला और सह-याचिकाकर्ता ने कहा कि अगर ऐसा मामला किसी आम नागरिक के खिलाफ होता तो सीबीआई और ईडी जैसी कई जांच एजेंसियां उस व्यक्ति के पीछे लग जातीं। इस पर सीजेआई ने कहा कि याचिका पर सुनवाई होगी। वकील ने दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने सराहनीय काम किया है, लेकिन एफआईआर की जरूरत है। इस पर सीजेआई ने कहा- सार्वजनिक बयान न दें।

बता दें कि नेदुम्परा और तीन अन्य ने रविवार को एक याचिका दायर कर पुलिस को मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की मांग की थी।

याचिका में के.वीरस्वामी मामले में 1991 के फैसले को भी चुनौती दी गई है, जिसमें टॉप अदालत ने फैसला दिया था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना उच्च न्यायालय या टॉप अदालत के किसी न्यायाधीश के खिलाफ कोई आपराधिक कार्यवाही शुरू नहीं की जा सकती।

सैलरी चुराने साड़ी वाली दीदी आई अब निर्मला सीतारमण पर कुणाल कामरा ने कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर टिप्पणी कर विवादों में घिरे स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तंज कसा है। उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जहां वह एक गाने के जरिए वित्त मंत्री को निर्मला ताई बुला रहे हैं और नीतियों पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

वित्त मंत्री पर कुणाल कामरा का तंज- करीब डेढ़ मिनट के वीडियो में कामरा ने व्यंग करते हुए कहा, आपका टैक्स का पैसा हो रहा है हवा हवाई। इन सड़कों की बर्बादी करने सरकार है आई। मेट्रो है इनके मन में खोद कर लें अंगड़ाई। ट्रैफिक बढ़ाने ये है आई, ब्रिजेस गिराने ये है आई। कहते हैं इसको तानाशाही।

कामरा ने आगे गाते हुए कहा, देश में इतनी महंगाई सरकार के साथ है आई। लोगों की लूटने कमाई साड़ी वाली दीदी आई। सैलरी चुराने ये है आई। मिडिल क्लास दबाने ये है आई। पॉपकॉर्न खिलाने ये है आई। कहते हैं इसको निर्मला ताई।

कामरा ने एकनाथ शिंदे को कहा था गद्दार- हाल ही में कामरा ने मुंबई के खार स्थित यूनीकांटीनेटल होटल के हैबिटेट स्टूडियो में पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को गद्दार कहते हुए उन पर हिंदी फिल्म दिल तो पागल है के एक गाने की पैरोडी बनाकर गाई थी। इस कविता के वायरल होने के बाद शिवसेना शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने उक्त स्टूडियो में जाकर जमकर तोड़फोड़ की।

कुणाल कामरा के बयान पर एकनाथ शिंदे ने प्रतिक्रिया भी दी। शिंदे ने अपने ऊपर कटाक्ष की तुलना किसी व्यक्ति के खिलाफ बोलने की सुपारी लेने से की। उन्होंने कहा कि मैं भी व्यंग्य को समझता हूं। मगर किसी के खिलाफ बोलते वक्त एक शिष्टाचार होना चाहिए। वरना क्रिया ही प्रतिक्रिया की वजह बनती है।

उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मैं इस बात पर ध्यान नहीं देता हूं कि कौन क्या बोलता है? हमारा काम ही हमारे लिए बोलता है।

मुझे काल रंग पसंद है, बचपन से ही.., त्वचा पर की गई टिप्पणी को लेकर केरल की मुख्य सचिव का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल की मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन लोगों को जवाब दिया है जो उनके रंग पर सवाल उठा रहे थे। मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन ने सोशल मीडिया पर उन यूजर्स पर निशाना साधा है जो उनके सांवले रंग का मजाक उड़ा रहे हैं और उनके काम की तुलना उनके पति से कर रहे हैं।

उन्होंने इसको लेकर फेसबुक पर एक लंबा पोस्ट लिखा, लंबे पोस्ट में 1990 बैच की आईएएस अधिकारी ने काले रंग की विशेषता बताई और कहा कि मुझे काला रंग पसंद है।

केरल सचिव ने लिखी फेसबुक पोस्ट- मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन ने फेसबुक पर लिखा , कल मुख्य सचिव के रूप में मेरे कार्यकाल पर एक दिलचस्प टिप्पणी सुनी। मुझे अपने कालेपन को स्वीकार करना होगा। ये पोस्ट मैंने डिलीट कर दी थी, क्योंकि इसपर कई टिप्पणियां आ रही थीं, लेकिन मेरे कुछ शुभचिंतको ने फिर से शेयर करने को बोला, क्योंकि कुछ चीजों पर चर्चा जरूर होती है। मैंने इसे स्वीकार किया और फिर से शेयर किया।

काला वो है जो काला करता- वरिष्ठ अधिकारी ने पदभार संभालने के बाद से अपने पति के साथ तुलनाओं की निरंतर परेड के बारे में लिखा। उन्होंने आगे लिखा, यह काले रंग का लेबल होने के बारे में था (महिला होने के उस शांत उपपाठ के साथ), जैसे कि यह कुछ ऐसा था जिस पर बेहद शर्म आनी चाहिए। काला वही है जो काला करता है। न केवल रंग काला है, बल्कि काला वह है जो अच्छा नहीं करता, मुरलीधरन ने आगे कहा, काला रंग सुंदरता है और मुझे काला रंग पसंद है।

ब्रह्मांड का सबसे बड़ा सच काला रंग- शारदा मुरलीधरन ने आगे ये भी कहा, लेकिन काले रंग को क्यों बदनाम किया जाना चाहिए? काला ब्रह्मांड का सर्वव्यापी सत्य है। काला वह है जो किसी भी चीज को अवशोषित कर सकता है, मानव जाति के लिए ज्ञात ऊर्जा की सबसे शक्तिशाली नाड़ी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण तृयोदशी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

इंसानी रिश्ते मजबूत करने के परिपेक्ष में खासकर युवाओं को सुनना चाहिए...

कवि प्रदीप का गीत इंसान को इंसान से हो भाईचारा, यही पैगाम हमारा, यही पैगाम हमारा गीत को इंसानी रिश्ते मजबूत करने के परिपेक्ष में खासकर युवाओं को सुनना चाहिए क्योंकि वह हमारे भविष्य हैं क्योंकि खूबसूरत अनमोल पृथ्वी पर भारत देश की हजारों वर्ष से यह अनमोल वसीयत रही है कि हमारी हमारे पूर्वजों सहित हम अपने निजी और सार्वजनिक रिश्तो को निभाने में वैश्विक स्तरपर सर्वश्रेष्ठ रहे हैं। मेरा मानना है कि हमारी अनेक विरासतों में से एक परिवार, समाज, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय समुदाय में खूबसूरत सकारात्मक रिश्ते कायम रखने में भारत को महारत हासिल है। हम भारत वासी संबंधों को कायम रखने में आने वाली बड़ी से बड़ी समस्याओं को शांतिप्रिय, सकारात्मक वाणी, व्यवहार, ह्रदय से समाधान की ओर ले जाते हैं जो हमारे लिए वैश्विक स्तरपर प्रतिष्ठा का प्रतीक है परंतु आज के बदलते परिपेक्ष में रिश्ते निभाने के अनेक गुणों में सहनशीलता, सहिष्णुता, उद्धारदिली माफ़ी का जज्बा, छोटा देखने कीदरियादिली में अपेक्षाकृत पायदान से नीचे घसने की ओर बढ़ रहे हैं, जिसे तात्कालिक रेखांकित करना जरूरी है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से आओ रिश्ते, आतिथ्य सत्कार मजबूती से निभाने पर गंभीरता से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में सिकुड़ते परिवारों, टूटते रिश्तों, बढ़ती वैचारिक खाई की करें तो, आजकल जहां देखो वहीं छोटी छाटी बातों पर टकराव और विवाद नजर आते हैं। फिर चाहे स्थान हमारा घर हो, ऑफिस या फिर व्यापारिक क्षेत्र, कारण मतभिन्नता हैं। जिसके चलते सास बहू के बीच खींचा तानी, पति पत्नी में बहस , पिता पुत्र का झगड़ा और चाहे बॉस एम्प्लौयी के बीच झड़प होती है। कई बार इन समस्याओं से परेशान होकर हम रत्न धारण कर लेते हैं, लेकिन सिर्फ रत्न पहनने से या कोई जप करने मात्र से वे संबंध नही सुधर सकते। हमारे संबंध अपने आचरण और अपने व्यवहार में परिवर्तन से सुधरेंगे, तभी हम संबंधों में मधुरता ला पाएंगे, याने बात सह गए तो रिश्ते रह गए बात कह गए तो रिश्ते ढह गए।

साथियों बात अगर हम रिश्तो को गंभीरता से संभालने जोड़ने की करें तो सहनशीलता सहिष्णुता और त्याग का मंत्र अपनाना होगा। यदि हम पीड़ित है तो हमें स्वयं से परेशानियां होती हैं, जानबूझकर गलतियां दोहराई जाती है।जिसका उपाय स्वयं से मैत्री करें, आत्मनिरीक्षण करें स्वयं की गलतियों और खूबीयों को पहचान कर जातक स्वयं की उन्नति कर सकता है। पीड़ित होने से कुटुंब परिवार समाज में विवाद बने रहते हैं। बात बात पर कलह की स्थिति बनती रहती है। इससे उबरने के उपाय हैं, अहंकार दबाकर, सबसे विनम्रता से पेश आएं। छोटों से प्यार करें, बराबर वालों से मित्रता और बड़ों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करें।संस्कृति के श्लोक में भी आया है कि, अरावप्युचितं कार्यमातिथ्यं गृहमागते। छेत्तुः पार्श्वगताच्छायां नोपसंहरते द्रुमः॥

अर्थ-शत्रु भी यदि अपने घर पर आ जाए तो उसका भी उचित आतिथ्य सत्कार करना चाहिए, जैसे वृक्ष अपने काटने वाले से भी अपनी छाया को कभी नहीं हटाता है।

साथियों बात अगर हम रिश्तो में पड़ोसियों की करें तो, कहते हैं कि पहला सगा पड़ोसी होता है, क्योंकि जब भी व्यक्ति पर कोई मुसीबत आती है तो उसके सगे-संबंधी व रिश्तेदार तो बाद में पहुंचते हैं, लेकिन पड़ोसी तुरंत मदद के लिए आता है। इसलिए कहा जाता है कि हर व्यक्ति को अपने पड़ोसियों से अच्छे संबंध बनाकर रखने चाहिए। लेकिन आज के समय में हम खुद में कुछ इस कदर व्यस्त हो गए हैं कि हमें अपने आसपास रहने वाले लोगों का ख्याल ही नहीं आता। यहां तक कि जब भी रिश्तों की बात आती है तो हम पति, बच्चे या परिवार को ही महत्ता देते हैं। पड़ोसियों के साथ आपसी संबंधों को मधुर बनाने के बारे में शायद ही कोई सोचता हो।

पुष्पलता दास

पुष्पलता दास एक सामाजिक कार्यकर्ता, उत्साही गांधीवादी और स्वतंत्रता सेनानी थीं, जिन्होंने बचपन से ही भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लिया। मात्र 6 साल की उम्र में वह बानर सेना (मंकी ब्रिगेड) में शामिल हो गईं, जो लड़कियों का एक स्थानीय रूप से संगठित स्वयंसेवी समूह था, जो स्वदेशी को बढ़ावा देने और लोगों के बीच खादी को लोकप्रिय बनाने के लिए काम करता था। भारत सरकार ने सन 1999 में पुष्पालता दास को पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

परिचय- पुष्पलता दास का जन्म 27 मार्च, सन 1915 को उत्तर लखीमपुर, असम में हुआ था। ये एक प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता, स्वतंत्रता कार्यकर्ता और पूर्व सांसद भी थीं। इनका जन्म स्वर्गीय रामेश्वर सैकिया और स्वर्णलता सैकिया के घर हुआ। पुष्पालता दास ने गुवाहाटी के पान बाजार गर्ल्स हाई स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा ग्रहण की, जहाँ से उन्हें 14 वर्ष की उम्र में मुक्ति संघ नामक संगठन की सचिव होने के कारण फरवरी 1930 में निष्कासित कर दिया गया। उन्होंने और उनके साथियों ने भगत सिंह को दी गई फाँसी की सजा के खिलाफ अपनी आवाजें उठाई थीं।

शिक्षा और चरखा संघ का गठन- पुष्पालता दास ने 1934 में निजी छात्र के रूप में मैट्रिक परीक्षा के बाद बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की। उन्होंने आंध्र विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान से स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में परास्नातक (1938) को पूरा किया। तब उन्होंने कानून की पढ़ाई करने के लिए अर्ले लॉ कॉलेज में प्रवेश लिया, लेकिन उन्हें उसे छोड़ना पड़ा क्योंकि 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' से जुड़े होने के कारण उन्हें कैद कर लिया गया था। वह बचपन से ही महिला शक्ति और साहसी में दृढ़ विश्वास रखने वाली थीं। पुष्पालता दास ने गांधीजी की खादी अवधारणा को बढ़ावा दिया और चरखा संघ का गठन किया।

क्रांतिकारी गतिविधियाँ- असम में ऐसे समय में पली-बढ़ी पुष्पालता दास भगत सिंह और अन्य क्रांतिकारी कार्यकर्ताओं के काम और विचारधारा से गहराई से प्रेरित थीं। उन्होंने इन विचारों को तब आत्मसात करना शुरू कर दिया, जब वह स्कूल में थी। 1930 में पुष्पालता दास ने अपने दो दोस्तों के साथ कामरूप महिला समिति के परिसर में मुक्ति संघ नामक एक क्रांतिकारी संगठन शुरू किया। यह वह समय था जब देश सविनय अवज्ञा आंदोलन में उलझा हुआ था। ब्रिटिश शासन की बेड़ियों से देश को आजाद कराने की लड़ाई में शामिल होने के लिए इन लड़कियों ने प्रतिज्ञा ली और उस पर अपने खून से हस्ताक्षर किए। जब भगत सिंह को फाँसी की सज़ा दी गई तो उन्होंने बहिष्कार भी किया। जब संघ की खबर सामने आई तो पुष्पलता को स्कूल से निकाल दिया गया। इसके बाद, उन्हें निजी तौर पर पढ़ाया गया और स्नातक होने के बाद 1938 में वह गुवाहाटी के अर्ल लॉ कॉलेज से कानून की पढ़ाई करने चली गईं। अपने छात्र वर्षों के दौरान वह साम्यवादी विचारों से अत्यधिक प्रभावित थीं और छात्र सक्रियता में शामिल थीं। वह उन संगठनों से भी जुड़ी थीं जिनका उद्देश्य नागरिक अधिकारों और राष्ट्रीय रक्षा की रक्षा करना था।

जेल यात्रा- सन 1940 के दशक के आसपास सविनय अवज्ञा आंदोलन के हिस्से के रूप में पुष्पालता दास उन कई महिलाओं में से एक थीं जो भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे आगे थीं। वह असम में कांग्रेस की महिला विंग की संयुक्त सचिवों में से एक थीं और उन्हें महिला स्वयंसेवकों को संगठित करने और संगठित करने का प्रभार दिया गया था। इस समय तक वह अंग्रेजों से आजादी के राष्ट्रीय उद्देश्य के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध थीं। महात्मा गांधी के आह्वान ने कई लोगों की राष्ट्रवादी भावनाओं को प्रेरित किया था और पुष्पालता दास ने भी व्यक्तिगत सत्याग्रह में भाग लिया था जिसके कारण अंततः उन्हें जेल जाना पड़ा।

कुशल नेतृत्व- सन 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पुष्पालता दास का नेतृत्व कौशल सबसे आगे था, जब उन्हें और उनके पति ओमियो कुमार दास, एक साथी गांधीवादी, को असम में दरांग जिले की महिलाओं को संगठित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सत्याग्रही दो समूहों में विभाजित थे, शांति वाहिनी और मृत्यु वाहिनी। योजना 20 सितंबर 1942 को गोहपुर, ढेकियाजुली, बिहाली और सूतिया में शांतिपूर्ण जुलूस निकालकर और पुलिस स्टेशनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपनी अवज्ञा दिखाने की थी। हालाँकि, उनकी योजना सफल नहीं हुई, क्योंकि पुलिस ने शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला दीं, जिनमें से कई लोग मारे गए और घायल हो गए।

पुष्पलता दास एक अनुकरणीय महिला थीं, जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान आगे बढ़कर नेतृत्व किया और कई अन्य लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। 1942 में उन्हें भारत रक्षा नियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया और साढ़े तीन साल के लिए जेल में डाल दिया गया। उनका धैर्य ऐसा था कि जब वह कारावास में बीमार पड़ गईं और सरकार ने उनसे पैरोल पर जाने का अनुरोध किया, तो उन्होंने इनकार कर दिया। उन्होंने असम सरकार द्वारा दिए गए ताम्रपत्र को भी अस्वीकार कर दिया।

पद्म भूषण - देश के आज़ाद होने के बाद भी पुष्पालता दास विभिन्न क्षमताओं और भूमिकाओं में सेवा करती रहीं। वह राज्य सभा की सदस्य और असम विधान सभा की सदस्य थीं। सन 1999 में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका के लिए उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

मृत्यु- 9 नवंबर 2003 को पुष्पलता दास का निधन कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ।

राजनीतिक जीवन- राष्ट्रीय योजना समिति की महिला उप समिति की सदस्य के रूप में उनके जुड़ाव के कारण, दास उस वर्ष मुंबई चली गईं और दो साल तक वहीं रहीं। उनकी गतिविधियों ने उन्हें मृदुला साराभाई और विजया लक्ष्मी पंडित के साथ -साथ असम विधान सभा के तत्कालीन सदस्य ओमियो कुमार दास के साथ काम करने का अवसर दिया जिनसे उन्होंने 1942 में विवाह किया। वे अपनी शादी के बाद असम लौट आईं और दो संगठन बनाए, शांति वाहिनी और मृत्यु वाहिनी ।

सितंबर 1942 में दास और मृत्यु वाहिनी की उनकी साथियों ने भारत का राष्ट्रीय ध्वज लेकर स्थानीय पुलिस स्टेशन तक विरोध प्रदर्शन किया और इसी जुलूस पर पुलिस ने गोली चलाई जिसमें उनकी सहयोगी कनकलता बरुआ की मौत हो गई। उस समय तक, वह पहले से ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सदस्य और असम कांग्रेस कमेटी की महिला शाखा की संयोजक बन चुकी थीं और कथित तौर पर उन्होंने असम को पूर्वी पाकिस्तान के साथ समूह से बाहर निकालने के लिए काम किया।

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, दास दंपत्ति ने असम के ढेकियाजुली में अपनी गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका ओमियो कुमार दास ने 1951 से 1967 तक लगातार कार्यकाल के लिए असम विधान सभा में प्रतिनिधित्व किया। पुष्पलता दास स्वयं 1951 में राज्यसभा के लिए मनोनीत हुईं और 1961 तक इस पद पर रहीं। इस अवधि के दौरान उन्होंने बाजाली निर्वाचन क्षेत्र से चंद्रप्रभा सैकियानी के 1957 के चुनाव अभियान का नेतृत्व किया। बाद में, वह 1958 में कांग्रेस कार्य समिति के लिए चुनी गईं और अगले वर्ष, उन्होंने संसदीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में कई पूर्वी यूरोपीय देशों का दौरा किया। 1967 में, उन्होंने ढेकियाजुली से चुनाव लड़ा जब उनके पति ने निर्वाचन क्षेत्र खाली कर दिया, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रतिनिधित्व करते हुए चुनाव जीता और 1971 में सफलता दोहराई। 23 जनवरी 1975 को अपने पति की मृत्यु के बाद, दास ने संसदीय राजनीति से हटकर अधिक सामाजिक सेवा पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने अखिल भारतीय खादी बोर्ड के असम अध्याय की अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और भूदान और ग्रामदान पहल के राज्य बोर्डों की अध्यक्षता की। वह केंद्रीय समाज कल्याण बोर्ड से भी जुड़ी थीं और कांग्रेस योजना समिति के महिला अनुभाग और भारतीय सेंसर बोर्ड की पूर्वी भारत शाखा की सदस्य के रूप में कार्य किया।

15 साल निवेश करने पर किसमें मिलता है ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। पब्लिक प्रोविडेंट फंड और सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान दोनों में ही निवेश कर मोटा फंड तैयार किया जा सकता है। पीपीएफ एक सुरक्षित निवेश प्लेटफॉर्म है। वहीं म्यूचुअल फंड एसआईपी में मिलने वाला रिटर्न शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव पर निर्भर करता है। इसलिए इसे कम सुरक्षित माना जाता है।

ये दोनों ही स्कीम निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर हो चुकी है। म्यूचुअल फंड एसआईपी अपने बेहतर रिटर्न के चलते निवेशकों के बीच काफी फेमस हो गई है। म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको अनुमानित 12 से 14 फीसदी तक रिटर्न मिल जाता है।

वहीं पीपीएफ के तहत आपको 7.1 फीसदी रिटर्न मिलता है। आज हम जानेंगे की अगर दोनों ही स्कीम में 15 साल के लिए पैसा निवेश किया जाता है, तो किसमें आपको बेहतर रिटर्न मिल सकता है या कौन-सी स्कीम आपके लिए बेहतर है

15 साल निवेश करने पर किसमें मिलेगा ज्यादा रिटर्न - पीपीएफ के तहत 15 साल के लिए आपका पैसा लॉक-इन पीरियड में रहता है। जिसका मतलब है कि आप 15 साल से पहले ये पैसे नहीं निकाल सकते। वहीं म्यूचुअल फंड एसआईपी में भी निवेश करने का फायदा तभी होगा, जब आप इसमें लंबी अवधि के लिए पैसा निवेश करेंगे। आप दोनों में ही 15 साल की अवधि के लिए निवेश करते हैं, तो आपको म्यूचुअल फंड एसआईपी में बेहतर रिटर्न मिलेगा। हालांकि ये रिटर्न बाजार के उतार-चढ़ाव पर भी निर्भर करता है। हमने इन दोनों में तुलना म्यूचुअल फंड में मिलने वाले अनुमानित रिटर्न 12 से 14 फीसदी के हिसाब से किया है।

उदाहरण के लिए मान लीजिए अगर आप म्यूचुअल फंड एसआईपी और पीपीएफ दोनों में ही एक साल में 65,000 रुपये निवेश करते हैं, तो 7.1 फीसदी रिटर्न के हिसाब से आपको 15 साल में लगभग 17,62,891 रुपये मिलेंगे। इसके साथ ही अगर यहीं पैसे म्यूचुअल फंड एसआईपी में 15 साल के लिए निवेश किए जाते हैं, तो आपको 27,32,784 रुपये रिटर्न में मिल सकता है।

7,410 करोड़ का निवेश! इस राज्य में बनेगा मारुति का नया प्लांट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए एक और बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने हरियाणा के खरखौदा में तीसरे प्लांट को मंजूरी दे दी है, जिससे सालाना 2.5 लाख अतिरिक्त गाड़ियां बनाई जा सकेंगी। इस विस्तार से कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता 2029 तक 7.5 लाख यूनिट प्रति वर्ष तक पहुंच जाएगी। आइए जरा विस्तार से इसकी डिटेल्स जानते हैं।

मारुति सुजुकी ने इस नए प्लांट के लिए 7,410 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है। यह निवेश कंपनी के बढ़ते उत्पादन और ग्राहकों की बढ़ती मांग को पूरा करने की रणनीति का हिस्सा है।

मारुति सुजुकी ने 2024 में पहली बार एक कैलेंडर इयर में 20 लाख गाड़ियों का उत्पादन कर नया इतिहास रच दिया। यह उपलब्धि केवल भारत में ही नहीं, बल्कि सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन की किसी भी वैश्विक उत्पादन यूनिट के लिए एक बड़ी सफलता है। 2024 में निर्मित 20 लाख गाड़ियों में से लगभग 60त्न हरियाणा के प्लांट्स में बनीं, जबकि 40त्न उत्पादन गुजरात में हुआ। खास बात यह रही कि 20 लाखवीं कार अर्टिगा थी, जो हरियाणा के मानेसर प्लांट से निकली थी। मारुति सुजुकी सिर्फ खरखौदा प्लांट तक सीमित नहीं है, बल्कि कंपनी 10 लाख यूनिट की वार्षिक उत्पादन क्षमता वाले एक नए ग्रीनफील्ड प्लांट की भी योजना बना रही है।

एसेट एलोकेशन फंड Emotional Investing का सामना कैसे करते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपको लगता है कि कुछ महीने पहले इक्विटी में निवेश करना सही फैसला था, आपने अपना निवेश दोगुना कर दिया, और अब घाटे में हैं–तो आप अकेले नहीं हैं। और अगर आप सोच रहे हैं कि इस समय इस घाटे वाले एसेट क्लास से दूर रहना ही सबसे अच्छा है और आपने स्टॉक मार्केट से पैसा निकालना शुरू कर दिया है, तो आप भीड़ का हिस्सा बन रहे हैं। फियर ऑफ मिसिंग आउट के कारण ट्रेंडिंग इनवेस्टमेंट्स का पीछा करना स्वाभाविक है, और जब बाज़ार गिरता है, तो घबराकर नुकसान से बचने की कोशिश करना भी मानवीय प्रवृत्ति है।

लेकिन यही भावनात्मक निर्णय हमें ऊंचे दाम पर खरीदने और कम दाम पर बेचने के लिए मजबूर कर सकते हैं–एक आम निवेश संबंधी गलती जो हमारे रिटर्न को खा जाती है।

सोचिए, अगर आप निवेश करते समय अपनी भावनाओं पर काबू पा सकें? अगर कोई प्रोफेशनल आपके निवेश के फैसलों को भावनाओं के बजाय ठोस रिसर्च और आंकड़ों के आधार पर ले? कोई ऐसा व्यक्ति जो बाजार के उतार-चढ़ाव में निष्पक्ष रहकर, सही समय पर खरीद और बिक्री के फैसले कर सके। यहीं पर मल्टी एसेट म्यूचुअल फंड्स या एसेट एलोकेशन फंड्स काम आते हैं।

ब्याज दरें, मुद्रास्फीति, बाजार मूल्यांकन और अन्य आर्थिक कारकों का विश्लेषण करके, ये फंड अपने पोर्टफोलियो को इक्विटी, डेट और गोल्ड में रणनीतिक रूप से विभाजित करते हैं। ह्1द्रह्1ड्ढद्बह्वद्गस्र एसेट्स से बाहर निकलकर जोखिम कम करते हैं। Undervalued एसेट्स में निवेश करके लॉन्ग-टर्म रिटर्न बढ़ाते हैं। कम कीमत पर खरीदते हैं और ऊंची कीमत पर बेचते हैं, जिससे बाजार चक्र का सही लाभ मिलता है।

मल्टी एसेट/एसेट एलोकेशन फंड्स निवेशकों को भावनात्मक फैसलों से बचाते हैं और भीड़ से अलग हटकर स्मार्ट इनवेस्टमेंट करने में मदद करते हैं।

दूध उत्पादन में बना भारत नंबर 1, अगले 5 साल में 300MMT उत्पादन का रखा लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरी दुनिया में भारत दूध उत्पादन में सबसे आगे हैं। अभी हमारे देश में 239 मिलियन मीट्रिक टन दूध उत्पादन किया जाता है। जिसे सरकार ने बढ़ाने का फैसला किया है। भारतीय पशुपालन मंत्रालय ने ये टारगेट रखा है कि आने वाले 5 साल में वे दूध उत्पादन 300 मिलियन मीट्रिक टन तक बढ़ा देंगे।

इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को ही नहीं, बल्कि पशुपालन किसानों को भी बड़ा फायदा होने वाला है। मंगलवार को भारतीय पशुपालन मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने लोकसभा भारतीय दूध उत्पादन से जुड़ी कई बाते बताई है।

भारतीय पशुपालन मंत्रालय ने क्या कहा- कल यानी मंगलवार को हुई लोकसभा बैठक में भारतीय पशुपालन मंत्रालय के केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने दूध उत्पादन को लेकर कई बातें बताई है। राजीव ने कहा कि जब से मोदी सरकार ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन लॉन्च किया है। तब से ही भारतीय दूध उत्पादन में 63.5 फीसदी की बढ़त आई है। सरकार ये आशा करती है कि आने वाले तीन सालों में ये दूध उत्पादन 15 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत दूध उत्पादन के मामले में दुनिया में सबसे आगे है। हमारी सरकार ने यह टारगेट रखा है कि आने वाले 5 सालों में दूध उत्पादन 239 एमएमटी से बढ़ाकर 300 एमएमटी तक कर दिया जाएगा।

अपने बच्चे का भविष्य बनाए सुरक्षित, कहाँ-कहाँ कर सकते हैं निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज कई ऐसी स्कीम मौजूद है, जिनमें निवेश कर बच्चे के भविष्य के लिए मोटा फंड तैयार किया जा सकता है। इन स्कीम में निवेश कर, आप बच्चे का भविष्य सुरक्षित बना सकते हैं। इन पैसों का इस्तेमाल बच्चे की उच्च शिक्षा, शादी और अन्य खर्चों के लिए किया जा सकता है।

इस महंगाई के जमाने में खर्चे इतने बढ़ गए हैं कि भविष्य के लिए पैसा बचाने के लिए निवेश करना जरूरी हो गया है। अक्सर ये सुझाव दिया जाता है कि अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षित बनाने के लिए अलग-अलग इन्वेस्टमेंट प्लान में निवेश करें। कोशिश करें कि आपका फोलियो डायवर्सिफाई हो।

ये है बच्चे के लिए 6 बेस्ट स्कीम्स- इन स्कीम्स में हमने म्यूचुअल फंड, पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि योजना, नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट और यूनिक-लिंक्ड इंश्योरेंस को शामिल किया है। म्यूचुअल फंड को इसलिए शामिल किया गया है क्योंकि एक बेहतर फोलियो वहीं होता है, जिनमें सुरक्षित और असुरक्षित निवेश शामिल हो।

राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र - नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट की अवधि 5 साल की होती है। इस स्कीम में निवेश कर आप मोटा फंड तैयार कर सकते हैं। इसके साथ ही टैक्स सेविंग का फायदा भी ले सकते हैं। ये स्कीम एक सुरक्षित निवेश ऑप्शन है। इस स्कीम के तहत मिलने वाले ब्याज को सरकार रिवाइज करती रहती है।

इस स्कीम को महज 1000 रुपये निवेश कर शुरू किया जा सकता है। वहीं सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये टैक्स बेनिफिट ले सकते हैं।

सुकन्या समृद्धि योजना- सुकन्या समृद्धि योजना खास तौर पर महिलाओं के लिए बनाई गई है। इस योजना के तहत भी आपको सेक्शन 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये का टैक्स सेविंग बेनिफिट मिलता है। इस स्कीम में केवल लड़कियों के लिए अप्लाई किया जा सकता है।

इस स्कीम में निवेश की गई तारीख से 21 साल बाद मैच्योरिटी डेट रखी गई है। इसके साथ ही बच्ची के 18 साल होने पर पैसा मिल सकता है। इस स्कीम के तहत 8.2 फीसदी तक का रिटर्न मिलता है। वहीं आप महज 250 रुपये निवेश कर स्कीम को शुरू कर सकते हैं।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड- पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ निवेशकों के बीच काफी पॉपुलर है।

टैरिफ की टेंशन से बिगड़ा शेयर बाजार का मूड, निवेशकों के 3.55 लाख करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते सात दिनों की जोरदार तेजी के बाद शेयर बाजार एक बार फिर बिकवाली मोड में आ गया है। सप्ताह के तीसरे दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में हाहाकार मच गया और निवेशक शेयर बेचकर निकलने लगे। बीएसई सेंसेक्स 729 अंक या 0.93त्न गिरकर 77,288 पर आ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 182 अंक या 0.77% गिरकर 23,486 पर बंद हुआ।

इस बिकवाली की वजह से बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3.55 लाख करोड़ रुपये घटकर 411.39 लाख करोड़ रुपये रह गया। मतलब ये कि निवेशकों को 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ। बता दें कि शेयर बाजार में यह गिरावट सात कारोबारी दिन की तेजी के बाद आई है। इन 7 दिनों में सेंसेक्स 4,189 अंक और निफ्टी 1,271 अंक चढ़े थे। बहरहाल, आइए जान लेते हैं कि वो कौन से फैक्टर हैं जिस वजह से शेयर बाजार में भूचाल आ गया।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

वाहन टेंडर के लिए इंजीनियर ने मांगे 70 हजार रुपये, 25 हजार लेते पुलिस ने पकड़ा

देवास। विद्युत वितरण कंपनी के कार्यपालन यंत्री को लोकायुक्त पुलिस ने 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। आरोपित कार्यपालन यंत्री का नाम आनंद अहिरवार है। उसने विविकं में वाहन के अटैचमेंट के टेंडर के एवज में रिश्वत मांगी थी।

यह था पूरा मामला

लोकायुक्त एसपी अनिल विश्वकर्मा के अनुसार पुष्पराज राजपूत निवासी लक्ष्मीबाई सोनकच्छ ने शिकायत की थी। आवेदक ने बताया था कि वह बिजली कंपनी सोनकच्छ में आउटसोर्स कर्मचारी है।

उसका चारपहिया वाहन विविकं सोनकच्छ कार्यालय में किराए से अटैच है, जिसका प्रति 11 माह में टेंडर होता है। वाहन के लिए टेंडर डाला था।

अधिक रेट के टेंडर पर वाहन अटैच करने के लिए कार्यपालन यंत्री आनंद अहिरवार ने 70 हजार रुपये मांगे। इस पर लोकायुक्त टीम ने जांच शुरू की।

आवेदक को योजना बताई व रिश्वत के 25 हजार रुपये अहिरवार को देने को कहा। 26 मार्च को आवेदक अहिरवार के कार्यालय पहुंचा और 25 हजार रुपये दिए। इस दौरान सिविल ड्रेस में लोकायुक्त पुलिस भी बाहर मौजूद रही। जैसे ही अहिरवार ने रिश्वत के रुपये लिए, उसे रंगेहाथ गिरफ्तार किया।

बुरहानपुर में एक्सल टूटने से पलटी रेत से भरी ट्रैक्टर ट्राली, ड्राइवर की मौत

बुरहानपुर। ताप्ती नदी से रेत लेकर शहर आ रही एक ट्रैक्टर ट्राली का एक्सल टूट जाने से वह पलट गया। नीचे गिरे ट्रैक्टर चालक पर ट्राली पलट जाने से उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान आजाद नगर निवासी मोहसिम पुत्र गफूर के रूप में की गई है।जानकारी के अनुसार बुधवार सुबह साढ़े दस बजे के आसपास मोहसिन ताप्ती नदी से रेत लेकर तेज गति से शहर की ओर आ रहा था।इसी दौरान बसाड़ फाटे के पास अगले पहिए का एक्सल टूट गया और ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार चालक को बचने का कोई अवसर नहीं मिल पाया था। सूचना मिलने पर निंबोला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्राली को अलग करा मृतक का शव बाहर निकलवाया। उल्लेखनीय है कि शहर में वैध और अवैध रेत का परिवहन करने वाले ट्रैक्टर चालक तेज गति से वाहन चलाते हैं। कई बार तो सड़क पर चलने वाले अन्य वाहन चालक डर जाते हैं। ये ट्रैक्टर पुलिस थानों के सामने से भी गुजरते हैं, लेकिन कभी इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती।

चीतों ने इंसानों के बीच जमाया डेरा, कूनो नेशनल पार्क टीम के सामने नई मुश्किल

ग्वालियर। कूनो नेशनल पार्क के खुले जंगल में छोड़े गए मादा चीता ज्वाला और उसके चार शावकों ने जंगल छोड़ रिहायशी(आबादी) क्षेत्र में डेरा जमाया है। इससे चीता प्रबंधन में नई चुनौतियां सामने हैं। अगर चीते यहां से और आगे बढ़े तो वह राजस्थान की सीमा में प्रवेश कर जाएंगे। इस बात को लेकर पार्क प्रशासन चिंतित है। रिहायशी क्षेत्र में चीतों की मौजूदगी से मानव द्वंद्व का भी खतरा है। चीतों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए जिन चीता मित्रों को तैयार किया गया था, वह भी सक्रिय नहीं हैं। बीते शनिवार से ही चीते आबादी वाले क्षेत्र वीरपुर में डेरा जमाए हुए हैं। अब चीते तेलीपुरा गांव के पास पहुंच गए हैं। सोमवार रात को उनकी लोकेशन इसी गांव की मिली है।

आयुष्मान कार्ड के बावजूद नवजात के लिए बाहर से मंगवाए 28 हजार रुपए के इंजेक्शन, दूसरे अस्पताल ने कहा - इसकी जरूरत ही नहीं थी

भोपाल। स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार के तमाम दावों के बावजूद अस्पतालों की लापरवाही के मामले सामने आ रहे हैं। ताजा मामला हमीदिया की नई बिल्डिंग में संचालित सुल्तानिया अस्पताल का है, जहां आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद नवजात के परिजनों को महंगे इंजेक्शन बाहर से खरीदने पड़े। नवजात के पिता अशोक प्रजापति के अनुसार, उनकी पत्नी रिंकू प्रजापति ने चार मार्च को सुल्तानिया में बच्चे को जन्म दिया। जन्म के बाद नवजात का हृदय काम नहीं कर रहा था, जिसके कारण उसे आठ दिन तक वेंटिलेटर पर रखा गया। डॉक्टरों ने बताया कि उसके दिल में छेद है और सर्जरी की आवश्यकता होगी। इसके लिए जेके अस्पताल, एम्स भोपाल, बंसल या रायपुर रेफर करने की बात कही गई। अस्पताल में छह मार्च से इंजेक्शन लगाने की प्रक्रिया शुरू हुई और 28 हजार रुपये के इंजेक्शन बाहर से खरीदने पड़े, जबकि आयुष्मान योजना के तहत इलाज मुफ्त होना चाहिए था।परिजनों को जबरन इंजेक्शन

खरीदने के लिए किया मजबूर

पिता अशोक प्रजापति का आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने जबरन कागजों पर साइन करवाकर उन्हें महंगे इंजेक्शन बाहर से खरीदने के लिए मजबूर किया।

इसके अलावा अस्पताल प्रबंधन ने नवजात को बाहर की एंबुलेंस से ले जाने की अनुमति नहीं दी और हमीदिया परिसर की एंबुलेंस से ही ले जाने को कहा गया।

हमीदिया से बाहर जाने के लिए एक एंबुलेंस का किराया 2500 रुपये था, जबकि बाहर की एंबुलेंस से मात्र 1000 रुपये में यह सेवा मिल सकती थी।

मजबूरी में परिजनों को हमीदिया की एंबुलेंस से ही बच्चे को जेके अस्पताल ले जाना पड़ा।

जेके अस्पताल में खुलासा, अधिक इंजेक्शन लगाए गए

डिस्चार्ज के बाद अशोक प्रजापति के आयुष्मान कार्ड से 22 हजार रुपये काट लिए गए। जब वे अपने बच्चे को जेके अस्पताल लेकर पहुंचे।

तो वहां डाक्टरों ने जांच करने के बाद बताया कि नवजात को केवल चार इंजेक्शन ही लगाने थे, लेकिन सुल्तानिया अस्पताल में सात इंजेक्शन लगाए गए।

डॉक्टरों ने यह भी स्पष्ट किया कि सर्जरी की जरूरत तो होगी, लेकिन इसे बाद में भी कराया जा सकता है।

स्वास्थ्य व्यवस्था पर उठे सवाल

समाजसेवी मुकेश रघुवंशी ने बताया कि इस मामले ने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आयुष्मान योजना के बावजूद मरीजों से इलाज के नाम पर पैसे वसूले जा रहे हैं।

सरकार को इस मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस मामले की जानकारी ली जाएगी। यदि बच्चे को कोई गंभीर समस्या थी, तो उसे पीडियाट्रिक विभाग में भर्ती किया गया होगा। वहां किस डाक्टर ने इंजेक्शन मंगवाए, इसकी जांच की जाएगी। हमारे अस्पताल में आयुष्मान कार्ड से ही दवाइयां और इंजेक्शन उपलब्ध कराए जाते हैं।

- डॉ. शबाना सुल्ताना, प्रमुख, सुल्तानिया अस्पताल।

मध्य प्रदेश में तैनात होंगे 6 साइबर कमांडो, हैकिंग और वायरस के हमलों को रोकेंगे

भोपाल । देश में आतंकी घटनाओं से लेकर वीवीआईपी की सुरक्षा में जिस तरह कमांडो तैनात रहते हैं, उसी तरह साइबर हमले से निपटने, साइबर जालसाजों के नेटवर्क का राजफाश करने के लिए प्रदेश में कमांडो पदस्थ होंगे। अप्रैल से छह कमांडो काम करने लगेंगे।

मप्र के लिए साइबर कमांडो के पहले बैच का छह माह का प्रशिक्षण 31 मार्च को पूरा हो रहा है। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देशभर में अलग-अलग बैच में मिलाकर पांच हजार कमांडो तैनात करने का निर्णय लिया है।पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि दूसरे बैच में

प्रदेश के 39 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। परीक्षा के बाद इनका चयन भी हो चुका है। जल्द ही यह तय हो जाएगा कितने पुलिसकर्मियों को कहां प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा। प्रशिक्षण लिए जाने वालों में आरक्षक से लेकर उप पुलिस अधीक्षक स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं।

यह काम करेंगे साइबर कमांडो

साइबर सुरक्षा - साइबर खतरों से नेटवर्क और डाटा को सुरक्षित रखना।

साइबर हमले से सुरक्षा - कमांडो साइबर नेटवर्क या सिस्टम में हैकिंग और वायरस के हमलों से निपटने के लिए काम करेंगे। हमले की स्थिति में त्वरित निराकरण के लिए काम करेंगे। खतरों से आगाह भी करेंगे।

नेटवर्क की निगरानी - साइबर कमांडो की जिम्मेदारी नेटवर्क की निगरानी करने की रहेगी।

डेटा सुरक्षित रखने का काम - महत्वपूर्ण संस्थानों का डेटा लीक नहीं होने पाए, इसके लिए भी सुझाव देंगे।

अपराधों की जांच - बड़े साइबर अपराधों की जांच और डाटा के विश्लेषण में सहयोग करेंगे। साथ ही साइबर सुरक्षा की नीतियां बनाने में सहयोग करेंगे।दूसरे बैच के लिए भी चयन किया गया

हमारे छह पुलिसकर्मी साइबर कमांडो का प्रशिक्षण ले रहे हैं, जो शीघ्र आ जाएंगे। इसके अतिरिक्त दूसरे बैच के लिए भी चयन कर लिया गया है।

- ए साई मनोहर, एडीजी साइबर

ग्रामीण राजपूतों की एकजुटता, सामाजिक बुराइयों की दूर करने के लिए चलाएगा अभियान

समाज में शिक्षा और व्यवसाय के लिए युवाओं को देंगे मार्गदर्शन

इंदौर। राजपूत समाज में बेतहाशा दहेज एक कुरीति बनता जा रहा है जिससे समाज की आर्थिक स्थिति कमजोर हो रही है एसे दूर में जिले के चार परिवारों ने दहेज मुक्त शादी कर एक आदर्श प्रस्तुत करने का प्रयास किया है, इन चारों परिवारों को राजपूत समाज ने सामूहिक रूप से सम्मानित किया और सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाने का संकल्पभी लिया।

राजपूत समाज का श्री राम मंदिर और धर्मशाला खूडेल में स्थित है यहां 60 गांव का सामाजिक संरचना के माध्यम से जुड़ाव है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा अध्यक्ष दूले सिंह राठौर, कमलेश्वर सिंह सिसोदिया, जितेंद्र सिंह सेतखेड़ी ने बताया कि समाज में बेतहाशा दहेज का प्रचलन आर्थिक रूप से कमर तोड़ रहा है, शादी विवाह और अन्य कार्यक्रमों के खर्च आर्थिक कुठाराघात कर रहे हैं ऐसे में

5 मार्च को ग्राम छोटा बांगरदा के अर्जुनसिंह चौहान के सुपुत्र- गुरुवचनसिंह का ग्राम मकोडिया के लाखनसिंह राठौड़ की सुपुत्री- निकिता के साथ 11 मार्च को आंक्या के भगवानसिंह सोलंकी के सुपुत्र- अजयसिंह का ग्राम नेऊ गुराडिया के अनूपसिंह तंवर की सुपुत्री टीना के साथ 4 मार्च को लिम्बोदा के भगवानसिंह डाबी के सुपुत्र- कृष्णपालसिंह का ग्राम देवराखेड़ी के भादरसिंह तंवर की सुपुत्री शिवानी के साथ और इसी दिन भगवानसिंह डाबी के दूसरे सुपुत्र- नीतिनसिंह का ग्राम नेऊ गुराडिया के कमलसिंह तंवर की सुपुत्री पलक के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। उपरोक्त चारों वर पक्ष ने दहेज न लेते हुए सिर्फ कंकू कन्या स्वीकार करके समाज को एक नई प्रेरणा दी, समाज के केबीडी ग्रुप के द्वारा सामूहिक सम्मान पुष्पहार एवं प्रशस्ति पत्र से किया गया इस अवसर पर , के बी डी ग्रुप के दुले सिंह राठौर, बने सिंह तवर, कैलाश सिंह पटेल एवं छतरसिंह दरबार , पदमसिंह चावड़ा , सजनसिंह तंवर विक्रमसिंह पटेल , विक्रमसिंह गेहलोत , निर्भय सिंह आदि उपस्थित थे। संचालन धनसिंह राठौड़ ने किया और आभार दिलीपसिंह मोरोदहाट ने माना।

30 अप्रैल को सामूहिक विवाह- राजपूत समाज का 30 अप्रैल को सामूहिक विवाह खुडेलमें आयोजित किया जाएगा। इसके रूपरेखा बनाई गई वहीं धर्मशाला मैं टीन शेड और अतिरिक्त निर्माण के लिए संकल्प लिया गया समाज जनों की ओर से तकरीबन चार लाख रूपए दान की घोषणा भी तत्काल की गई। वहीं सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए लगातार अभियान चलाने और अच्छाइयों को सबके सामने लाने का संकल्प लिया गया ताकि सामग्र समाज जनों की आर्थिक स्थिति सुधार हो सके।

इंदौर शहर की मास्टर प्लान की अपूर्ण 8 सड़कों का निर्माण और अन्य विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ होंगे

इंदौर। इंदौर शहर की मास्टर प्लान की अपूर्ण/अप्रारंभ 8 सड़कों का निर्माण और अन्य विकास कार्य शीघ्र प्रारंभ होंगे। इन सड़कों का निर्माण और विकास कार्य स्मार्ट सिटी के माध्यम से कराया जायेगा।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी स्मार्ट सिटी की बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की बैठक में दी गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, श्री नयन पारीख, डॉ. तृप्ति जैन सहित अन्य सदस्य तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने कहा कि शहर हित में मास्टर प्लान की अपूर्ण/अप्रारंभ 8 सड़कों का निर्माण अत्यंत जरूरी है। इसको देखते हुए इनका निर्माण शीघ्र ही स्मार्ट सिटी के माध्यम से कराया जायेगा। बताया गया कि इन सड़कों में एमआर-5 रोड़ इंदौर वायर फैक्ट्री से बड़ा बांगड़दा तक, एमआर-5 रोड इंदौर वायर फैक्ट्री से सुपर कॉरिडोर तक स्टार्म वाटर लाईन डालने का कार्य, नेमावर रोड-पालदा तिराहा से आरई-2 आईएसबीटी होते हुए बायपास तक मास्टर प्लान सड़क का विकास कार्य, एमआर-9 रोबोट चौराहा से बायपास एवं अनूप टॉकीज के पास सड़क विकास कार्य, धार रोड चंदन नगर चौराहे से एयरपोर्ट रोड तक सड़क विकास कार्य, एमआर-3 पिपल्यापाला रीजनल पार्क से बायपास तक सड़क का विकास कार्य, नायता मुण्डला से एमआर-10 तक आरई-2 का शेष भाग (इंदौर विकास प्राधिकरण एवं नगर निगम द्वारा) किये जा रहे कार्य को छोड़कर तथा एमआर-6 रिंग रोड से महू नाका रोड तक सड़क का विकास कार्य शामिल है।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने दी मुख्यमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को उनके जन्म दिवस के अवसर पर इंदौर में जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने शुभकामनाएँ दी। आज रात उज्जैन से एयरपोर्ट इंदौर पहुँचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एयरपोर्ट में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों ने भावभीना स्वागत किया और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, श्री रमेश मेंदोला, श्री सुदर्शन गुप्ता, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण सिंह चावड़ा, श्री जयपाल सिंह चावड़ा, श्री दीपक जैन टीनू , श्री चिंटू वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त इंदौर श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री आशीष सिंह, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक ग्रामीण श्री अनुराग, आयुक्त नगर निगम श्री शिवम बर्मा एडिशनल पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह सहित अन्य प्रमुख अधिकारियों ने मुख्यमंत्री जी को पुष्पगुच्छ देकर शुभकामनाएँ दी।

आधार कार्ड बनाने वाले केन्द्रों के निरीक्षण का सिलसिला प्रारंभ

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर आधार परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं आम नागरिकों की आधार संबंधी समस्या के निराकरण के लिए जिले में संचालित आधार कार्ड बनाने वाले सेंटरों के निरीक्षण का सिलसिला शुरू किया गया है। यह निरीक्षण कलेक्टर कार्यालय के ई-गवर्नेंस विभाग के अमले द्वारा कराया जा रहा है। पहले दिन 6 केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

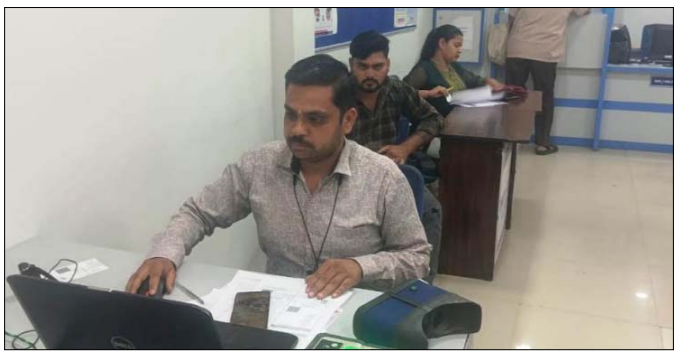

प्रबंधक ई-गवर्नेंस श्री अतुल दुबे ने बताया कि कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर आधार कार्ड बनाने वाले केन्द्रों के निरीक्षण के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन द्वारा निरीक्षण दल गठित किए गए हैं। इन दलों द्वारा आधार कार्ड बनाने वाले केन्द्रों के निरीक्षण का सिलसिला प्रारंभ कर दिया गया है। गठित दल द्वारा आधार कार्ड बनाने वाले केन्द्रों का निरीक्षण विभिन्न मानकों पर किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान यह देखा जाएगा की केंद्र द्वारा यूआईडी के निर्धारित मानकों का पालन किया जा रहा है कि नहीं, आधार पंजी रजिस्टर संधारित है कि नहीं, आधार केंद्र पर नागरिकों हेतु बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था जैसे बैठने, पीने के पानी, छाया आदि व्यवस्था है कि नहीं, आधार सेवा संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की सूची/रेट लिस्ट/रजिस्टर/सुपरवाइजर संबंधी जानकारी प्रदर्शित है कि नहीं, आदि देखी जाएगी।

देश मे भाईचारा और एकता व अखंडता के लिए सत्यनारायण पटेल ने किया सर्वधर्म रोजा इफ्तार आयोजन

इंदौर। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल एवं राधेश्याम पटेल द्वारा सर्वधर्म रोजा इफ्तार का आयोजन किया। इस रोजा इफ्तार का मकसद देश प्रदेश में भाईचारा को कायम कर देश की एकता और अखंडता को मजबूती देना और देश में सभी धर्म और संप्रदाय को एकजुट कर देश के विकास और उन्नति में अपनी भूमिका निभाना ही मकसद है। जानकारी देते हुए समाजसेवी मदन परमालिया ने बताया कि सर्वधर्म रोजा इफ्तार आयोजन में शहर काजी इसरत अली ने रोजा इफ्तार के बाद नमाज पढ़ाकर देश में अमन चैन की दुआ की और पैगम्बर मोहम्मद साहब के रास्तों पर चलकर लोगो को फायदा पहुचाने का संदेश दिया और रमजान माह में जैसे हम भूख और प्यास के लिए सब्र करते है वैसे ही छोटी छोटी बातों पर विवाद और झगड़े से बच सब्र करने की बात कही। साथ ही डॉ. काजी ने कहा कि प्रदेश के पूर्व मंत्री स्व. रामेश्वर पटेल इसी तरह का भाईचारे का पैगाम देते आए हैं, अब उनके सुपुत्र अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की मिशाल को आगे बढ़ा रहे हैं।वैभव आश्रम के डॉ. भरत कुमार ओझा ने सर्वधर्म रोजा इफ्तार को देश मे शांति और सौहार्द को बढ़ाने वाला बताया और शेर-ए-शयरी के जरिये भी उन्हें कहा- ऐ काश अपने मुल्क़ की ऐसी फिज़ा बने।

hindkush.in
24x7 News portal

दैनिक हिन्दकुश

jagrayam.com
online news magazine

सर्वे भवन्तु सुखिनः

भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी
संपादकीय सलाहकार

श्री संजय व्यास
संपादकीय सलाहकार डिजिटल

सुश्री परम चैतन्य
कार्यकारी संपादक

डॉ. चमन सिंह राजौरा
उप संपादक

श्री आशीष उपाध्याय
विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार

श्री भुवनेश भार्गव
विशेष संवाददाता

श्री शिरीष राव मोरे
ब्यूरो प्रमुख

श्री नरेन्द्र राठौर
संवाददाता

श्री धर्मेंद्र राठौर
संवाददाता

श्री कौशल कांतिदास वैरागी
विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

अपर मुख्यसचिव राजेश राजौरा ने सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक

उज्जैन । अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा ने सिहस्थ 2028 निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक में निर्देश दिए की निर्माण संबंधी कार्यो में समयबद्ध तरीके से काम किया जाना सुनिश्चित किया जावे जो सभी कार्य प्रगति रत हैं उनकी प्रगति रिपोर्ट भी प्रत्येक माह भेजी जावे इसकी प्रत्येक 15 दिन में कलेक्टर उज्जैन द्वारा समीक्षा की जाएगी।

अपर मुख्य सचिव ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्यो की गति को बनाए रखना संबंधित विभाग के अधिकारी का काम है इसके लिए यदि दो शिफ्ट में काम करने की आवश्यकता है तो वह भी करें इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होना चाहिए।

समिक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर श्री नीरज कुमार ने विभिन्न निर्माण कार्यो की जानकारी प्रस्तुत की इस अवसर पर बताया गया कि घाट निर्माण के लिए 30 माह का समय सुनिश्चित किया गया है साथ ही शिप्रा शुद्धिकरण के लिये कान्हा नदी डायवर्सन की भौतिक प्रगति रिपोर्ट 29 प्रतिशत है।

सेवर खेड़ी, सिलार खेड़ी जलाशय का काम भी शुरू हो चुका है। इंदौर उज्जैन सिक्स लाइन का काम 24 माह में पूर्ण किया जाना है। इसी के साथ उज्जैन मक्सी फोरलेन हिंगोरिया उन्हेल और उज्जैन सिंहस्थ बाईपास का काम भी प्रगतिरत है।

बैठक पीडब्ल्यूडी के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई, इसी के साथ नगर निगम के मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की सड़क चौड़ीकरण के कार्यों को समन्वय के साथ किया जाना सुनिश्चित करें इसमें सभी के सहयोग से कम को पूर्ण किया जावे।

अपर मुख्य सचिव श्री राजोरा ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यदि किसी निर्माण कार्य में समस्या आ रही है तो उसके संबंध में जिला प्रशासन और कलेक्टर को बताएं जिससे समस्या का त्वरित समाधान किया जा सके। सभी कामों में प्रो-एक्टिव होकर काम करने की आवश्यकता है जो काम अभी शुरू नहीं हुए हैं और जिनको किया जाना जरूरी है उन कार्यों को भी तुरंत राज्य शासन को भेजें ,इसके साथ ही जो काम अब यदि आपको आवश्यक लग रहे हैं तो उनको भी तार्किकता के साथ प्रस्तुत किया जावे। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि स्थाई प्रकृति के सभी कामों को शुरू किया जावे और उनकी सतत मॉनिटरिंग भी किया जाना सुनिश्चित करें। अपर मुख्य सचिव ने बैठक के बाद संबंधित निर्माण कार्यों को भी देखा मेडिसिटी मेडिकल कालेज के निर्माण कार्यों की प्रगति देखने के लिए भी अपर मुख्य सचिव ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया व सिलारखेड़ी जलाशय का भी निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की जानकारी ली।

संस्कार भारती उज्जैन महानगर के हुए निर्वाचन

उज्जैन। संस्कार भारती उज्जैन महानगर की नवीन कार्यकारिणी का मनोनयन रा.स्व.संघ कार्यालय 'आराधना' में आयोजित वार्षिक साधारण सभा मे हुआ।

अध्यक्षता संस्कार भारती के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीपाद जोशी ने की। पदाधिकारियो के नामों की घोषणा, संस्कार भारती के पदाधिकारी संतोष व्यास ने की। संस्था के प्रचार प्रमुख जयंत तेलंग ने बताया कि कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर मालवी कवियत्री एवं साहित्यकार माया मालवेंद्र बधेका एवं महामंत्री के पद पर दुर्गाशंकर सूर्यवंशी को मनोनीत किया गया। अन्य पदाधिकारीयों में कार्यकारी अध्यक्ष रितेश पंवार, सह महामंत्री पंकज पांचाल, कोषाध्यक्ष पलक पटवर्धन, उपाध्यक्ष पंकज आचार्य एवं विजेंद्र वर्मा, प्रचार प्रमुख जयंत तेलंग, कार्यकारिणी सदस्य माधव तिवारी, गोपाल महाकाल, सुदर्शन आयाचित को मनोनीत किया गया है। साथ ही विभिन्न विधाओं के संयोजकों के नामों की भी घोषणा की गई। मंच विधा संयोजक दुर्गेश बाली एवं जगरूप सिंह चौहान, संगीत विधा संयोजक अर्चना आप्टे तिवारी एवं सुरेंद्र स्वर्णकार, नृत्य विधा संयोजक प्रतिभा रघुवंशी एलची आदि। लोकनाट्य विधा संयोजक शिरीष सत्य प्रेमी, दृश्य एवं श्रव्य विधा संयोजक प्रकाश देशमुख, रंगोली विधा संयोजक अनिल पांचाल, चंद्रिका गुर्जर, राजश्री जोशी, लोककला विधा संयोजक डॉ. पल्लवी किशन, अनिल बारोट, लोक नृत्य विधा संयोजक कुलदीप दुबे, लोक गायन विधा संयोजक रामचंद्र गंगोलिया, साहित्य विधा संयोजक सुगनचंद्र जैन एवं नंदकिशोर पांचाल चुने गए। इसके अलावा वरिष्ठों का मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु परामर्शदाता समिति का भी गठन किया गया है जिसमे डॉ. श्रीकृष्ण जोशी, विनोद काबरा, प्रकाश चित्तौड़ा, ईश्वर पटेल, डॉ. पूनम व्यास, राजेश सिंह कुशवाह, चंद्रशेखर गुर्जर, डॉ. रमन सिंह सोलंकी, दिनेश दिग्गज आदि।

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री शिंदे की पत्नी उज्जैन में शिवसेना ने किया स्वागत

उज्जैन। महाराष्ट्र सरकार के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे की धर्मपत्नी श्रीमती लताताई शिन्दे का प्रभु श्री महाकालेश्वर के दर्शनार्थ 26 मार्च बुधवार को उज्जैन आई।

शिवसेना जिला उज्जैन प्रमुख सुरेशचन्द्र प्रजापति के अनुसार दर्शन उपरांत उज्जैन शिवसेना व युवा सेना के पदाधिकारियों ने शिवसेना प्रदेश सचिव दिनेश प्रजापति के नेतृत्व में प्रभु श्री महाकालेश्वर का चित्र व दुपट्टा भेंट कर श्रीमती शिन्दे को सम्मानित किया।

सीएमआईबी द्वारा सीपीई सेमिनार का आयोजन, उज्जैन ब्रांच ने की मेजबानी

उज्जैन। उज्जैन ब्रांच ऑफ सीआईआरसी ऑफ आईसीएआई द्वारा कमिटी ऑन मेंबर्स इन इंडस्ट्रीज एंड बिजनेस के सहयोग से सीपीई सेमिनार का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि सीए. (डॉ.) अनुज गोयल, चेयरमैन, सीएमआईबी ने सेमिनार में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के प्रोफेशन से जुड़े नए अपडेट्स साझा किए और उद्योगों में सीए की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने मेंबर्स को भविष्य की संभावनाओं और पेशेवर चुनौतियों पर मार्गदर्शन भी दिया। इस सेमिनार में ''गल्फ देशों में अवसरों की खोज'' पर सीए. नवीन गोयल (सीए रियाद चैप्टर) तथा ''ऑडिट डॉक्यूमेंटेशन और ऑडिट ट्रेल का महत्व'' पर सीए. (डॉ.) हिमांशु अग्रवाल ने संबोधित किया। कार्यक्रम में आए अतिथियों का स्वागत 'सीए अकृत जैन (चेयरमैन, उज्जैन ब्रांच)' एवं 'सीए आशीष तोतला (वाइस चेयरमैन, उज्जैन ब्रांच)' ने किया। सेमिनार के सफल आयोजन के लिए अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद सीए अनीश चौधरी (सेक्रेटरी), सीए मनीष राठी (कोषाध्यक्ष) एवं सीए आयुष जैन (सीपीई कन्वेनर)' ने दिया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मेंबर्स ने भाग लिया और उपयोगी जानकारियाँ प्राप्त कीं।

परमात्मा के प्रति हमारी भावना और विश्वास स्थिर रहने चाहिए

प्रांतीय निरंकारी संत समागम में उज्जैन के भक्तों ने दी उल्लेखनीय प्रस्तुति

उज्जैन। संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में जबलपुर में भव्य निरंकारी संत समागम का आयोजन हुआ, जिसमें उज्जैन सहित मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ से हजारों श्रद्धालु भक्त एकत्रित हुए। यह दिव्य आयोजन सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज और निरंकारी राजपिता रमित जी की पावन छत्रछाया में सम्पन्न हुआ, जो अपने साथ आध्यात्मिकता, प्रेम और विश्वबंधुत्व का संदेश लेकर आया।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि परमात्मा के प्रति हमारी भावना और विश्वास स्थिर रहने चाहिए, जैसे समुद्र की लहरें किनारों को नहीं डुबा पातीं। उन्होंने समझाया कि हमें दूसरों की कमियों के बजाय उनके गुणों को देखना चाहिए और उनके लिए दुआ करनी चाहिए, तभी मानवता में सच्चा प्रेम उत्पन्न होगा। भक्ति किसी विशेष समय या स्थान की मोहताज नहीं, यह हर पल, अकेले या परिवार के साथ, कहीं भी की जा सकती है। बस परमात्मा को हमेशा प्राथमिकता देने की भावना होनी चाहिए। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि जैसे अगर हम किसी पर गर्म कोयला फेंकते हैं तो पहले हमारे ही हाथ जलते हैं, वैसे ही किसी को दुख देने की सोच हमारे लिए ही हानिकारक बनती है। इंसान अपनी सोच और कर्मों से फरिश्ता भी बन सकता है और दानव भी, जैसे एक ही चाकू डॉक्टर के हाथ में जीवनदायी होता है और दुष्ट के हाथ में विनाशकारी।

निरंकारी राजपिता रमित जी ने अपने विचारों में कहा कि परमात्मा को सीमाओं में नहीं बाँधा जा सकता, वह केवल मंदिर, मस्जिद या तीर्थों तक सीमित नहीं बल्कि सर्वत्र व्याप्त हैं। उन्होंने कहा कि इंसान अक्सर परमात्मा को बाहरी रूपों में खोजता है, गुफाओं या पहाड़ों में ढूँढ़ता है, जबकि परमात्मा तो हमारे चारों ओर और भीतर भी विद्यमान हैं। राजपिता जी ने बताया कि ब्रह्मज्ञान प्राप्त करने के बाद इंसान जात-पात, अहंकार और 'मैं-मेरी' के भ्रम से मुक्त होकर विनम्रता, समर्पण और सेवा के भाव में जीवन जीता है।

मीडिया सहायक विनोद गज्जर उज्जैन ने बताया कि इस संत समागम में भजन, कविताओं और महात्माओं के प्रेरणादायक विचारों की प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्ति-रस से सराबोर कर दिया। भक्तजन इन भावनात्मक प्रस्तुतियों से भावविभोर हो उठे। आयोजन के दौरान लंगर, चिकित्सा सेवा, पार्किंग और अन्य व्यवस्थाएं अत्यंत सुचारु रूप से संचालित की गईं, जिसमें स्थानीय प्रशासन का सराहनीय सहयोग रहा।

उज्जैन के मुखी त्रिलोक बेलानी ने बताया कि समागम से पूर्व 'दो दिवसीय निरंकारी यूथ सिम्पोजियम' का भी आयोजन किया गया। इस आयोजन में युवाओं को आध्यात्मिकता से जुड़ने, सकारात्मक सोच अपनाने और सेवा की भावना विकसित करने हेतु प्रोत्साहित किया गया। खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं छह आध्यात्मिक तत्वों पर आधारित इस सारगर्भित विचार-सत्रों ने युवाओं को आत्मचिंतन, संतुलित जीवनशैली और उद्देश्यपूर्ण सोच की दिशा की ओर प्रेरित किया। इसमें उज्जैन के भक्तों की भी प्रस्तुति उल्लेखनीय रही।

धनवंतरी आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय में हुई गुरु शिष्य परंपरा की ट्रेनिंग

उज्जैन। शासकीय धन्वंतरि आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सा में राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ अंतर्गत आयुर्वेद प्रशिक्षण प्रत्यायन बोर्ड द्वारा एक दिवसीय सेंसटाइजेशन प्रोग्राम ऑन एक्रीडिटेशन आफ आयुर्वेद ट्रेनिंग कोर्सेज प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलावती यादव सभापति नगर निगम रहे। डॉ विशाखा, डॉ अरुण गोयल, प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ निमजे ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक डॉ दिवाकर पटेल रहे। राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ नई दिल्ली से दो प्रशिक्षणार्थी डॉ विशाखा बाघ एवं डॉ अरुण गोयल ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम मे आयुर्वेद ट्रेनिंग कोर्स एक्रीडिटेशन के बारे में सर्वप्रेशन के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में डॉ एस एन पांडे महामंत्री राष्ट्रीय आयुर्वेद एवं राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ गुरुजी, ओ पी व्यास, डॉ ओम प्रकाश पालीवाल मौजूद रहे। कार्यक्रम में डॉ नृपेंद्र मिश्रा, डॉ ओपी शर्मा, डॉ अजय कीर्ति जैन, डॉ. सुनीता डी राम, डॉ राम अरोड़ा, डॉ मुकेश गुप्ता, डॉ वंदना सराफ, डॉ संगीता गुप्ता आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com